(1)

MAHARAJA SURAJMAL BRIJ UNIVERSITY
BHARATPUR

SYLLABUS

FACULTY OF ARTS

M.A. HINDI LITERATURE (P & F)
(ANNUAL SCHEME)

OIC, Academic
M.S. Brij University
Bharatpur

(डॉ. इला मिश्रा)
विभाग प्रभारी
हिन्दी

(सी.एम. कोली)
डीन

अमिता शर्मा

SESSION-2022-23

SCHEME OF EXAMINATION
(Annual Scheme)

Each Theory Paper	**3 hrs. duration**	**100 Marks**
Dissertation Thesis/ Survey Report/Field Work, if any,		**100 Marks**

2. The number of papers and the maximum marks for each paper/practical shall be shown in the syllabus for the subject concerned. It will be necessary for a candidate to pass in the theory part as well as in the practical part (wherever prescribed) of a subject/paper separately.

3. A candidate for a pass at each of the Previous and the Final Examinations shall be required to obtain (i) atleast 36% marks in the aggregate of all the papers prescribed for the examination and (ii) atleast 36% marks in practical(s) wherever prescribed at the examination, provided that if a candidate fails to secure at least 25% marks in each individual paper at the examination and also in the dissertation/ survey report/field work, wherever prescribed, he shall be deemed to have failed at the examination, notwithstanding his having obtained the minimum percentage of marks required in the aggregate for that examination. No division will be awarded at the Previous Examination. Division shall be awarded at the end of the Final Examination on the combined marks obtained at the Previous and the Final Examinations taken together, as noted below:

First Division 60%}	of the aggregate marks taken together
Second Division 48%	of the Previous and the Final Examinations.

All the rest will be declared to have passed the examination.

4. If a candidate clears any papers(s) / Practical's) /Dissertation prescribed at the Previous and/or Final Examination after a continuous period of three years, then for the purpose of working out his division the minimum pass marks only viz. 25% (36% in the case of practical) shall be taken into account in respect of such Papers(s)/ practical(s)/ Dissertation are cleared after the expiry of the aforesaid period of three years; provided that in case where a candidate requires more than 25% marks in order to each the minimum aggregate as many marks out of those actually secured by him will be taken into account as would enable him to make up the deficiency in the requisite minimum aggregate.

5. The Thesis/ Dissertation! Survey Report field Work shall be type-written and submitted in triplicate so as to reach the office of the Registrar at least 3 weeks before the commencement of the theory examinations. Only such candidates shall be permitted to offer Dissertation/ Field Work! Survey Report Thesis (if provided in the scheme of examination) in lieu of a paper as have secured at least 55% marks in the aggregate of all the papers prescribed for the previous examination in the case of annual scheme and I and II semester examinations taken together in the case of semester scheme, irrespective of the number of papers in which a candidate actually appeared at the examination.

N.B. Non-collegiate candidates are not eligible to offer dissertation as per provisions of O. 170-A.

SESSION-2022-23

OIC, Academic
M.S. Brij University
Bharatpur

महाराजा सूरजमल ब्रज विश्वविद्यालय, भरतपुर (राज0)

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

प्रथम प्रश्न पत्र	:	हिन्दी साहित्य का इतिहास
द्वितीय प्रश्न पत्र	:	मध्यकालीन काव्य
तृतीय प्रश्न पत्र	:	साहित्य शास्त्र (भारतीय तथा पाश्चात्य)
चतुर्थ प्रश्न पत्र	:	हिन्दी गद्य (उपन्यास, कहानी एवं अन्य गद्य विधाएँ)

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

प्रथम प्रश्न पत्र	:	हिन्दी गद्य (नाटक, निबंध एवं आलोचना)
द्वितीय प्रश्न पत्र	:	प्राचीन एवं निर्गुण काव्य
तृतीय प्रश्न पत्र	:	भाषा विज्ञान
चतुर्थ प्रश्न पत्र	:	आधुनिक काव्य
पंचम प्रश्न पत्र	:	विशिष्ट अध्ययन (कोई एक)

विशिष्ट अध्ययन (कोई एक)

(क) **कवि, साहित्यकार**
- (1) तुलसीदास
  अथवा
- (2) सूरदास
  अथवा
- (3) जयशंकर प्रसाद
  अथवा
- (4) प्रेमचन्द

(ख) **कोई एक विधा**
- (1) हिन्दी उपन्यास
  अथवा
- (2) हिन्दी कहानी
  अथवा
- (3) दलित साहित्य
  अथवा
- (4) स्त्री लेखन और विमर्श

(ग) **लघुशोध प्रबन्ध** (एम.ए. पूर्वार्द्ध हिन्दी में 55 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त सभी नियमित विद्यार्थी एम.ए. उत्तरार्द्ध के पंचम प्रश्न पत्र के विकल्प में ले सकते हैं।

(सी.एम. कोली)

उर्मिला शर्मा
सह आचार्य (हिन्दी)

SESSION-2022-23

OIC, Academic
M.S. Brij University
Bharatpur

महाराजा सूरजमल ब्रज विश्वविद्यालय, भरतपुर (राज0)

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

प्रथम प्रश्न पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

पाठ्यांश :

हिन्दी साहित्येतिहास के लेखन का इतिहास, काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकालीन काव्यधाराएँ– सिद्ध,नाथ एवं जैन साहित्य, प्रमुख रासो काव्य और उनकी प्रामाणिकता, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति की कीर्तिलता और पदावली, आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सामान्य विशेषताएँ।

मध्यकाल : भक्ति आंदोलन, उदय के सामाजिक–सांस्कृतिक कारण, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्तःप्रादेशिक वैशिष्ट्य।

हिन्दी संत काव्य – वैचारिक आधार, भारतीय धर्म साधना और हिन्दी का संत काव्य, प्रमुख संत कवि – कबीर, नानक, दादू, रैदास, रज्जब, तथा जम्भनाथ।

हिन्दी सूफी काव्य – वैचारिक आधार, हिन्दी में प्रेमाख्यानों की परम्परा, सूफी प्रेमाख्यान का स्वरूप, हिन्दी का सूफी काव्य, प्रमुख सूफी कवि– मूल्ला दाऊद, कुतुबन, मंझन तथा जायसी।

हिन्दी कृष्ण काव्य – वैचारिक आधार और विभिन्न सम्प्रदाय, कृष्ण भक्ति शाखा के कवि और काव्य। प्रमुख कवि– सूरदास, नन्ददास, मीरा, रसखान।

हिन्दी राम काव्य– वैचारिक आधार और विभिन्न सम्प्रदाय, राम भक्ति शाखा के कवि और काव्य।

रीति काल – नामकरण की समस्या, तत्कालीन दरबारी संस्कृति और रीतिकाल, प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रीतिबद्ध,रीतिमुक्त, रीतिसिद्ध) रीतिकाल के प्रमुख कवि – केशवदास, मतिराम, भूषण, बिहारीलाल, देव, घनानन्द तथा पद्माकर।

आधुनिक काल का काव्य :
1857 की क्रांति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेन्दु और उनका मण्डल। द्विवेदी युग – महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, प्रमुख काव्यधाराएँ – छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता।

आधुनिक काल का गद्य साहित्य :
उपन्यास, कहानी, नाटक, आलोचना, निबंध एवं अन्य विधाएँ

अंक विभाजन :

कुल पाँच प्रश्न (20×4= 80 अंक)
अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा। (10×2= 20 अंक)
सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।

सहायक ग्रंथ :

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेन्द्र (सं.)
आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

SESSION-2022-23

OIC, Academic
M.S. Brij University
Bharatpur

हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ. रामकुमार वर्मा

हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

हिन्दी साहित्य का अतीत (दो भाग) : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह

हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

डॉ. रामविलास शर्मा की साहित्येतिहास दृष्टि – डॉ. देवेन्द्र सिंह–स्वराज प्रकाशन, देहली

आधुनिक पूर्व हिन्दी साहित्य का इतिहास–डॉ. अशोक कुमार गुप्ता

उर्मिला शर्मा
सह आचार्य (हिन्दी)

SESSION-2022-23

OIC, Academic
M.S. Brij University
Bharatpur

महाराजा सूरजमल ब्रज विश्वविद्यालय, भरतपुर (राज0)

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

द्वितीय प्रश्न पत्र : मध्यकालीन काव्य

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. **भ्रमरगीत सार** : सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल (पद संख्या 164 से 214 तक कुल 50 पद)
2. **विनय पत्रिका** : गीता प्रेस गोरखपुर (पद संख्या 76 से 116 तक कुल 40 पद)
3. **कवितावली** : (वन के मार्ग प्रकरण)
    1. पुरतें निकसी रघुवीर बधू.............
    2. जल को गए लक्खनु हैं..............
    3. ठाढे हैं नवद्रुम डार गहैं..............
    4. जलज नयन, जलजानन जटा हैं सिर......
    5. आगें सोहै सांवरो कुंवरु गोरो....
    6. सुन्दर बदन, सरसीरूह सुहाए नैन......
    7. बनिता बनी स्यामल गौर के बीच.........
    8. सांवरे–गोरे सलौने सुभायै..............
    9. रानी मैं जानी अजानि महा...........
    10. सीसजटा, उर–बाहु–बिसाल ....
    11. सुनि सुन्दरबैन सुधारस साने...........
4. **बिहारी रत्नाकर** : 101 से 200 तक
5. **दादूदयाल** : श्री दादूवाणी–सं. रामप्रसाद दास स्वामी, प्रकाशक दादूदयालु महासभा, जयपुर। अथ राग असावरी, पद संख्या 213 से 245 तक
6. **घनानन्द कवित्त** : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, प्रकाशन (प्रारम्भ के 50 पद)
7. **मीरा मुक्तावली** : सम्पादक नरोत्तम स्वामी, श्रीराम मेहरा, आगरा (पद संख्या 26 से 75)

अंक विभाजन :

कुल चार व्याख्याएँ : प्रत्येक कवि से व्याख्या पूछी जायेगी। विकल्प देय होगा। (10×4 =40 अंक)

कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न। प्रत्येक कवि से प्रश्न अपेक्षित है। विकल्प देय होगा। (15×4=60 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. सूर का भ्रमरगीत : डॉ. शंकरदेव अवतरे
2. सूरदास : ब्रजेश्वर वर्मा
3. अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय : डॉ. दीनदयालु गुप्त, हिन्दी साहित्य सम्मेलन।
4. सूर की काव्य कला : डॉ. मनमोहन गौतम, भारतीय साहित्य मंदिर दिल्ली।
5. तुलसी : डॉ. उदयभानु सिंह
6. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा।
7. बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथप्रसाद मिश्र, वाराणसी।
8. बिहारी का नया मूल्यांकन : डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. रीतिकाव्य और बिहारी : डॉ. अशोक कुमार गुप्ता, गौतम बुक कम्पनी, राजा पार्क, जयपुर।
10. स्वच्छंद काव्यधारा और घनानन्द : डॉ. मनोहरलाल गौड़, नागरी प्रचारिणी सभा काशी।
11. आनन्द घन : डॉ. रामदेव शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।
12. मीरा पदावली : डॉ. शम्भू सिंह मनोहर
13. मीराबाई : पदमावती शबनम
14. उत्तरी भारत की संत परम्परा – परशुराम चतुर्वेदी
15. श्री दादूपंथ का परिचय – प्रथम, द्वितीय, तृतीय भाग – स्वामी नारायणदास।

उर्मिला शर्मा
सह आचार्य (हिंदी)

SESSION-2022-23

OIC, Academic
M.S. Brij University
Bharatpur

16. संत साहित्य की रूपरेखा – आचार्य परशुराम चतुर्वेदी।

महाराजा सूरजमल ब्रज विश्वविद्यालय, भरतपुर (राज0)

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

तृतीय प्रश्न पत्र : साहित्य शास्त्र (भारतीय तथा पाश्चात्य)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

क. साहित्य की परिभाषा, साहित्य की प्रमुख विधाओं के सैद्धान्तिक स्वरूप और विवेचना– प्रबन्धकाव्य (महाकाव्य, खण्डकाव्य), मुक्तक काव्य (गीति काव्य, प्रगीतिकाव्य) उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी, आत्मकथा, जीवनी, रेखाचित्र, संस्मरण, रिपोर्ताज।

ख. भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास एवं काव्यशास्त्र के विविध सम्प्रदाय : रस, ध्वनि, वक्रोक्ति, रीति, अलंकार, औचित्य।

ग. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – प्लेटो, अरस्तु, लौंजाइन्स, इलियट, क्रोचे, मार्क्स और आई.ए. रिचर्ड्स के काव्य सिद्धान्त।

घ. हिन्दी के प्रमुख आलोचक – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. रामविलास शर्मा, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, डॉ. नगेन्द्र, रामस्वरूप चतुर्वेदी।

ड. आलोचना (सैद्धान्तिक तथा व्यावहारिक)
1. हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास
2. हिन्दी का आलोचना शास्त्र – पाठालोचन, सैद्धान्तिक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोवैज्ञानिक, नयी समीक्षा।

अंक विभाजनः

क. प्रथम चार इकाइयों (क, ख, ग, घ) से एक–एक प्रश्न पूछा जायेगा। (20×4= 80 अंक)

ख. पाँचवी इकाई (ङ) से टिप्पणीपरक प्रश्न पूछे जायेंगे। (कुल दो टिप्पणियाँ) (10×2= 20 अंक)
प्रत्येक प्रश्न का आंतरिक विकल्प देय होगा।

सहायक ग्रंथ :

1. साहित्यालोचन : श्यामसुन्दर दास
2. काव्यशास्त्र : डॉ. भागीरथ मिश्र
3. भारतीय साहित्यशास्त्र भाग एक : बलदेव उपाध्याय
4. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा : डॉ. नगेन्द्र
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास : तारकनाथ बाली
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : शांतिस्वरूप गुप्त
8. समीक्षालोक : डॉ. भगीरथ दीक्षित
9. पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त : गोविन्द त्रिगुणायत
10. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत : गोविन्द त्रिगुणायत
11. भारतीय काव्यशास्त्र : सत्यदेव चौधरी।

उर्मिला शर्मा
सह आचार्य हिन्दी

SESSION-2022-23

OIC, Academic
M.S. Brij University
Bharatpur

महाराजा सूरजमल ब्रज विश्वविद्यालय, भरतपुर (राज0)

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

चतुर्थ प्रश्न पत्र : हिन्दी गद्य (उपन्यास, कहानी एवं अन्य गद्य विधाएँ)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. **गोदान** : प्रेमचन्द
2. **बाणभट्ट की आत्मकथा** : हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. **स्मृति लेखा** :
   (भारत कोकिला : सरोजिनी नायडू और कवि वत्सला होमवती देवी शीर्षक पाठों को छोड़कर)
4. निर्धारित आधुनिक कहानियाँ :

(i)	जिन्दगी और जोंक	–	अमरकान्त
(ii)	खोई हुई दिशाएँ	–	कमलेश्वर
(iii)	परिन्दे	–	निर्मल वर्मा
(iv)	तीसरी कसम	–	फणीश्वरनाथ रेणु
(v)	चीफ़ की दावत	–	भीष्म साहनी
(vi)	यही सच है	–	मन्नू भंडारी
(vii)	एक और जिन्दगी	–	मोहन राकेश
(viii)	जहाँ लक्ष्मी कैद है	–	राजेन्द्र यादव
(ix)	प्रेत मुक्ति	–	शैलेश मटियानी
(x)	भेड़िए	–	भुवनेश्वर
(xi)	हंसा जाई अकेला	–	मार्कण्डेय
(xii)	कोसी का घटवार	–	शेखर जोशी
(xiii)	विनाशदूत	–	मृदुला गर्ग
(xiv)	फुलवा	–	रतन कुमार सांभरिया

अंक विभाजन :

1. कुल चार व्याख्याएँ : प्रत्येक खण्ड से एक–एक (10×4=40 अंक)
2. कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न : प्रत्येक खण्ड से एक–एक (15×4=60 अंक)
   आन्तरिक विकल्प देय

सहायक ग्रंथ :

1. प्रेमचन्द के उपन्यासों का शिल्प विधान : कमलकिशोर गोयनका
2. गोदान : गोपालराय
3. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : संपादक भीष्म साहनी और रामजी मिश्र
4. हिन्दी उपन्यास,उपलब्धियाँ : डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
5. हिन्दी उपन्यास : शिवनारायण श्रीवास्तव
6. मन्नू भण्डारी का कथा साहित्य, गुलाबराय हाड़े
7. नई कहानी : संवेदना और शिल्प : राजेन्द्र यादव
8. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ : सुरेन्द्र तिवारी
9. हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान : डॉ. रामदरश मिश्र
10. एक दुनिया समानान्तर : सम्पादक राजेन्द्र यादव
11. प्रतिनिधि कहानियाँ : स्वयंप्रकाश
12. कहानी : नई कहानी : डॉ. नामवर सिंह
13. कथाकार मन्नू भण्डारी : अनीता राजूरकर
14. प्रेमचन्द के उपन्यासों में पात्र–संरचना – डॉ. नरेश चन्द गोयल

उर्मिला शर्मा
सहआचार्य (हिंदी)
SESSION-2022-23

OIC, Academic
M.S. Brij University
Bharatpur

(9)

महाराजा सूरजमल ब्रज विश्वविद्यालय, भरतपुर (राज0)

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

प्रथम प्रश्न पत्र : हिन्दी गद्य (नाटक, निबंध एवं आलोचना)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. **अंधेरी नगरी** : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
2. **स्कन्दगुप्त'** : जयशंकर प्रसाद
3. **कोणार्क** : जगदीश चन्द्र माथुर
4. **रक्त अभिषेक** : दया प्रकाश सिन्हा
5. **निर्धारित निबंध** : साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है (बालकृष्ण भट्ट), उत्साह (आचार्य रामचन्द्र शुक्ल), देवदारू (आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी), उत्तराफाल्गुनी के आस–पास (कुबेरनाथ राय)
6. **आलोचनात्मक निबंध** : काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था (आचार्य रामचन्द्र शुक्ल), भारतीय साहित्य की प्राण–शक्ति (आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी), छायावाद (आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी) और रस–सिद्धान्त के विरुद्ध आक्षेप और उनका समाधान (डॉ. नगेन्द्र)।

अंक विभाजन :

1. कुल चार व्याख्याएँ : प्रत्येक इकाई से एक व्याख्या अपेक्षित है। (10×4=40 अंक)
2. कुल तीन आलोचनात्मक प्रश्न : प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न अपेक्षित है। (15×3=45 अंक)
   अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा। आंतरिक विकल्प देय। (7½×2=15 अंक)

सहायक ग्रंथ :

आज के रंग नाटक : गिरीश रस्तोगी
अंधेर नगरी : सं. गिरीश रस्तोगी, राजकमल प्रकाशन
रंग दर्शन : नेमीचन्द जैन
हिन्दी निबंध : उद्‌भव और विकास : डॉ. ओंकारनाथ शर्मा
श्रेष्ठ हिन्दी निबंधकार : डॉ. सुरेश गुप्ता
आलोचक की आस्था : डॉ. नगेन्द्र
आलोचना के आधार स्तम्भ : सम्पादक रामेश्वरलाल खण्डेलवाल और डॉ. सुरेशचन्द्र गुप्त
आलोचक और आलोचना : डॉ. बच्चन सिंह
हिन्दी आलोचना : प्रकृति और परिवेश : डॉ. तारकनाथ बाली
हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास – दशरथ ओझा
पहला रंग : देवेन्द्रराज अंकुर
जयशंकर प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : जगन्नाथ शर्मा

उर्मिला शर्मा
सह आचार्य (हिन्दी)

SESSION-2022-23

OIC, Academic
M.S. Brij University
Bharatpur

महाराजा सूरजमल ब्रज विश्वविद्यालय, भरतपुर (राज0)

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

द्वितीय प्रश्न पत्र : प्राचीन एवं निर्गुण काव्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यपुस्तकें :

1. **पृथ्वीराज रासो** – चंदबरदाई – शशिव्रता विवाह प्रसंग
   संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो – सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. **विद्यापति** : डॉ. शिवप्रसाद सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद (पद संख्या– 2, 3, 4, 5, 8, 10, 11, 16, 19, 26, 36, 40, 47, 48, 53, 54, 55, 56, 58, 60, 79, 81, 82, 95, 100 कुल 25 पद)
3. जायसी ग्रंथावली : संपादक – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी, प्रचारिणी सभा (पद्मावत से सिंहलद्वीप वर्णन खण्ड तथा नागमती–वियोग खण्ड)
4. कबीर : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन (पद संख्या 1, 2, 5, 10, 11, 12, 14, 22, 35, 39, 42, 49, 55, 57, 66, 68, 69, 70, 76, 87, 94, 104, 108, 112, 130, 134, 140, 141, 153, 156, 160, 162, 163, 165, 166, 168, 173, 183, 199, 250 कुल 40 पद)

अंक विभाजन :

1. कुल चार व्याख्याएँ : आन्तरिक विकल्प देय (10×4= 40 अंक)
2. कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न। प्रत्येक इकाई से प्रश्न अपेक्षित है।
   आन्तरिक विकल्प देय (15×4= 60 अंक)

सहायक ग्रंथ :

विद्यापति : डॉ. आनन्द प्रकाश दीक्षित
विद्यापति : डॉ. शूभकार कपूर
विद्यापति : वाग्विलास : डॉ. गुणानन्द जुयाल, कुमार प्रकाशन बरेली
जायसी : विजयदेवनारायण साही
पद्मावत में काव्य, संस्कृति और दर्शन : डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
कबीर : विजेन्द्र स्नातक
कबीर साहित्य की परख : परशुराम चतुर्वेदी
नानक वाणी : सम्पादक जयराम मित्र, लोकभारती प्रकाशन
राजस्थान का संत साहित्य : पुरुषोत्तम मेनारिया
राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. हीरालाल माहेश्वरी
हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय : डॉ. पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल
उत्तरी भारत की संत परम्परा : परशुराम चतुर्वेदी

उर्मिला शर्मा
सह आचार्य (हिंदी)

OIC, Academic
M.S. Brij University
Bharatpur

SESSION-2022-23

महाराजा सूरजमल ब्रज विश्वविद्यालय, भरतपुर (राज0)

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

तृतीय प्रश्न पत्र : भाषा विज्ञान

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

पाठ्यक्रम :

प्रथम इकाई

1. भाषा : अर्थ, महत्व, विशेषताएँ, परिवर्तन के कारण
2. भाषा के विविध रूप
3. भाषा विज्ञान से तात्पर्य, ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध
4. भाषा अध्ययन के विभिन्न प्रकार, मूल अवधारणाएँ एवं सामान्य परिचय : वर्णनात्मक, तुलनात्मक, ऐतिहासिक, भाषा भूगोल।
5. भाषा विज्ञान के विविध अंग – मूल अवधारणा एवं सामान्य परिचय, ध्वनि विज्ञान, पद विज्ञान, वाक्य विज्ञान एवं शब्द विज्ञान।

द्वितीय इकाई :

1. अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ
2. ध्वनि परिवर्तन के कारण और दिशाएँ – ध्वनियों का वर्गीकरण
3. रूप परिवर्तन एवं वाक्य परिवर्तन के कारण और दिशाएँ

तृतीय इकाई :

1. भारत के विविध भाषा परिवार – आर्य, द्रविड़, कोल एवं नाग
2. प्राचीन एवं मध्यकालीन आर्य भाषाएँ – वैदिक, संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, अवहट्ट, पुरानी हिन्दी
3. आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ : वर्गीकरण
4. हिन्दी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ
5. राजभाषा हिन्दी
6. हिन्दी की ध्वनियाँ, वर्गीकरण एवं सामान्य परिचय

चतुर्थ इकाई :

1. हिन्दी व्याकरण का इतिहास
2. हिन्दी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण एवं परसर्गों का विकास
3. हिन्दी की बोलियाँ एवं उनकी विशेषताएँ।
4. हिन्दी व्याकरण चिन्तक और चिन्तन
   1. कामता प्रसाद गुरु
   2. किशोरी दास वाजपेयी

पंचम इकाई :

1. लिपि की परिभाषा
2. लिपि और भाषा का संबंध
3. लिपि के विकास का इतिहास – चित्रलिपि, भावलिपि, ध्वनि लिपि, ब्राह्मी लिपि तथा खरोष्ठी लिपि की विशेषताएँ
4. देवनागरी लिपि का उद्‌भव और विकास
5. देवनागरी लिपि की विशेषताएँ
6. देवनागरी लिपि का मानकीकरण

अंक विभाजन :

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पाँच इकाइयों में विभक्त है। प्रत्येक इकाई से प्रश्न पूछा जायेगा। (20×4=80)

उर्मिला शर्मा
सह आचार्य (हिंदी)
SESSION-2022-23

OIC, Academic
M.S. Brij University
Bharatpur

अंतिम इकाई से 10–10 अंकों की टिप्पणियाँ पूछी जायेगी। आंतरिक विकल्प देय होगा। (10×2=20)

सहायक ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
2. भाषा विज्ञान : डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
3. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली
4. हिन्दी भाषा का इतिहास : डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तान एकेडेमी
5. हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास : डॉ. उदयनारायण तिवारी
6. हिन्दी की बोलियाँ एवं उपभाषाएँ : डॉ. हरदेव बाहरी
7. भाषा और भाषिकी : देवीशंकर द्विवेदी
8. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र : डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
9. राजस्थानी भाषा : डॉ. सुनीति कुमार चटर्जी, राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर
10. हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक व्याकरण : डॉ. माताबदल जायसवाल
11. हिन्दी भाषा और साहित्य : डॉ. भोलानाथ तिवारी
12. भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिन्दी : डॉ. रामविलास शर्मा
13. भाषा विज्ञान : संपादक डॉ. राजमल बोरा, मयूर पेपरबैक्स

उर्मिला शर्मा
सह आचार्य (हिंदी)

SESSION-2022-23

OIC, Academic
M.S. Brij University
Bharatpur

महाराजा सूरजमल ब्रज विश्वविद्यालय, भरतपुर (राज0)

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

चतुर्थ प्रश्न पत्र : आधुनिक काव्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. **कामायनी** : जयशंकर प्रसाद – (चिन्ता, आशा तथा श्रद्धा सर्ग)
2. **राग–विराग** : संपादक – डॉ. रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद (राम की शक्ति पूजा और कुकुरमुत्ता शीर्षक कविताएँ)
3. **आँगन के पार द्वार** : अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ (असाध्य वीणा कविता)
4. **चाँद का मुँह टेढ़ा है** : मुक्तिबोध, भारतीय ज्ञानपीठ (अंधेरे में शीर्षक कविता)
5. **आत्मजयी** – कुँवरनारायण

अंक विभाजन :

1. कुल चार व्याख्याएँ : प्रत्येक पाठ्यपुस्तक से व्याख्या अपेक्षित है। आन्तरिक विकल्प देय। (10×4=40)
2. कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न। प्रत्येक पाठ्यपुस्तक से प्रश्न अपेक्षित है। आन्तरिक विकल्प देय। (15×4=60)

सहायक ग्रंथ :

कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ : डॉ. नगेन्द्र

कामायनी : एक पुनर्विचार : मुक्तिबोध

कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन : डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना

निराला की साहित्य साधना : डॉ. रामविलास शर्मा

निराला : आत्महंत आस्था : दूधनाथ सिंह

अज्ञेय : विश्वनाथ तिवारी

लम्बी कविताओं का शिल्प विधान : नरेन्द्र मोहन

मुक्तिबोध : अशोक चक्रधर

समकालीन काव्य यात्रा – नंद किशोर नवल

उर्मिला शर्मा
सह आचार्य हिन्दी

SESSION-2022-23

OIC, Academic
M.S. Brij University
Bharatpur

महाराजा सूरजमल ब्रज विश्वविद्यालय, भरतपुर (राज0)

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

पंचम प्रश्न पत्र : विशिष्ट अध्ययन (कोई एक)

(क) कवि, साहित्यकार

(1) तुलसीदास

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रंथ :

1. रामचरित मानस : गीताप्रेस, गोरखपुर – उत्तरकाण्ड
2. विनय पत्रिका : गीताप्रेस गोरखपुर – पद संख्या– 155 से 200 तक
3. गीतावली : गीताप्रेस गोरखपुर
4. कवितावली : गीताप्रेस गोरखपुर

अंक विभाजन

1. कुल चार व्याख्याएँ : प्रत्येक पाठ्यपुस्तक से एक–एक। (10×4=40 अंक)
2. कुल चार समीक्षात्मक प्रश्न – रामचरित मानस में से एक प्रश्न, विनय पत्रिका में से एक प्रश्न, गीतावली अथवा कवितावली में से एक प्रश्न और एक प्रश्न कवि की जीवनी, परिवेश तथा वैचारिक पृष्ठभूमि से संबंधित। आतंरिक विकल्प देय है। (15×4=60 अंक)

सहायक ग्रंथ :

गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

तुलसीदास और उनका युग : राजपति दीक्षित

तुलसीदास : डॉ. माताप्रसाद गुप्त

तुलसीदास : रासबिहारी शुक्ल

तुलसीदास : चन्द्रबली पाण्डेय

रामचरित मानस का काव्यशास्त्रीय अनुशीलन : डॉ. रामकुमार पाण्डेय

तुलसीदर्शन : बलदेव प्रसाद मिश्र

तुलसी–काव्य–मीमांसा : डॉ. उदयभानु सिंह

उर्मिला शर्मा
सह आचार्य (हिन्दी)

SESSION-2022-23

OIC, Academic
M.S. Brij University
Bharatpur

अथवा

(2) सूरदास

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रंथ :

1. सूर पंचरत्न : सं. लाला भगवानदीन
2. भ्रमरगीत सार : सं. रामचन्द्र शुक्ल – प्रारंभ से 100 पद
3. साहित्य लहरी
4. सूर सारावली

अंक विभाजन

1. चारों ग्रंथों से एक–एक व्याख्या पूछी जायेगी। कुल चार व्याख्याएँ (10×4=40 अंक)
2. कुल चार समीक्षात्मक प्रश्न – सूर पंचरत्न से एक, भ्रमरगीत सार से एक, साहित्य लहरी अथवा सूरसारावली से एक, और कवि की जीवनी परिवेश तथा वैचारिक पृष्ठभूमि पर आधारित एक प्रश्न। आतंरिक विकल्प देय है। (15×4=60 अंक)

सहायक ग्रंथ :

कृष्णदास और सूरदास : डॉ. प्रेमशंकर
सूरदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
सूर निर्णय : प्रभुदयाल मीतल
सूर सौरभ : डॉ. मुंशीराम शर्मा
सूरदास की काव्य–कला : डॉ. मनमोहन गौतम
सूर और उनका साहित्य : डॉ. हरवंशलाल शर्मा
सूरदास : डॉ. ब्रजेश्वर वर्मा
सूर साहित्य की भूमिका : डॉ. रामरतन भटनागर
सूरदास : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
सूरदास : संपादक हरवंशलाल शर्मा

उर्मिला शर्मा
सह आचार्य (हिंदी)

SESSION-2022-23

OIC, Academic
M.S. Brij University
Bharatpur

अथवा

(3) जयशंकर प्रसाद

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य ग्रंथ :

1. कामायनी से – संघर्ष और आनन्द सर्ग
2. चन्द्रगुप्त
3. काव्यकला तथा अन्य निबंध
4. आकाशदीप (कहानी संग्रह)

अंक विभाजन

1. कुल चार व्याख्याएँ – प्रत्येक पाठ्यपुस्तक से एक (10×4=40 अंक)
2. कुल चार समीक्षात्मक प्रश्न – "कामायनी" से एक प्रश्न, "चन्द्रगुप्त" से एक प्रश्न, "काव्यकला तथा अन्य निबंध" अथवा "आकाशदीप" से एक प्रश्न/कवि की जीवनी, परिवेश तथा वैचारिक पृष्ठभूमि से एक प्रश्न। आतंरिक विकल्प देय है। (15×4=60 अंक)

सहायक ग्रंथ :

प्रसाद के नाटकों का ऐतिहासिक अध्ययन : डॉ. जगदीश चन्द्र जोशी

जयशंकर प्रसाद : नन्ददुलारे वाजपेयी

प्रसाद की काव्य – साधना : रामनाथ सुमन

प्रसाद के नाट्कों का शास्त्रीय अध्ययन : डॉ. जगन्नाथ प्रसाद शर्मा

लहर सुधा निधि : डॉ. मधुर मालती सिंह

प्रसाद साहित्य में प्रेम तत्व : प्रभाकर श्रोत्रिय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला – डॉ. रामेश्वर खण्डेलवाल

प्रसाद और उनका साहित्य – विनोद शंकर व्यास

जयशंकर प्रसाद की कहानियों का शिल्प विधान– डॉ. अशोक कुमार गुप्ता

प्रसाद का काव्य – डॉ. प्रेम शंकर

प्रसाद के कहानी – साहित्य में भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्रीय चेतना के आयाम–डॉ. अशोक कुमार गुप्ता

उर्मिला शर्मा
सह आचार्य (हिन्दी)

SESSION-2022-23

OIC, Academic
M.S. Brij University
Bharatpur

अथवा
(4) प्रेमचन्द

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

पाठ्य ग्रंथ :

1. कुछ विचार (निबंध)
2. मानसरोवर (प्रथम खण्ड)
3. रंगभूमि
4. गबन

अंक विभाजन

1. कुल चार व्याख्याएँ – प्रत्येक पाठ्यपुस्तक से एक–एक (10×4=40 अंक)
2. कुल चार समीक्षात्मक प्रश्न – 'गबन' से एक प्रश्न, 'रंगभूमि' से एक प्रश्न, 'मानसरोवर से एक प्रश्न तथा 'कुछ विचार' से एक प्रश्न, रचनाकार की जीवनी, परिवेश तथा वैचारिक पृष्ठभूमि पर आधारित एक प्रश्न। (15×4=60 अंक)

सहायक ग्रंथ :

प्रेमचन्द और उनका युग : डॉ. रामविलास शर्मा
प्रेमचन्द साहित्य कोष : कमल किशोर गोयनका
कलम का सिपाही : अमृतराय
विविध प्रसंग : अमृतराय
कलम का मजदूर : मदनगोपाल
प्रेमचन्द घर में : शिवरानी
प्रेमचन्द : संपादक विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
प्रेमचन्द : जीवन और कृतित्व : हंसराज रहबर
किसान, राष्ट्रीय आंदोलन और प्रेमचंद : वीर भारत तलवार
प्रेमचन्द के उपन्यास साहित्य में सांस्कृतिक चेतना : नित्यानन्द पटेल
प्रेमचन्द : साहित्यिक विवेचन – नंद दुलारे वाजपेयी
कथाकार प्रेमचन्द – मन्मथनाथ गुप्त
प्रेमचन्द के साहित्य सिद्धान्त – नरेन्द्र कोहली
प्रेमचन्द के उपन्यासों का शिल्प–विधान–डॉ. कमल किशोर गोयनका
रंग भूमि : नये आयाम – डॉ. कमल किशोर गोयनका
प्रेमचन्द : विश्वकोश (दो खण्ड) – डॉ. कमल किशोर गोयनका
प्रेमचन्द के उपन्यासों में पात्र–संरचना – डॉ. नरेश चन्द गोयल
गोदान में पात्र–संरचना – डॉ. नरेश चन्द गोयल

उर्मिला शर्मा
सह आचार्य (हिंदी)

SESSION-2022-23

OIC, Academic
M.S. Brij University
Bharatpur

अथवा (ख) कोई एक विधा हिन्दी उपन्यास
(1) हिन्दी उपन्यास

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. **मुझे चाँद चाहिए** – सुरेन्द्र वर्मा
2. **शेखर एक जीवनी** – भाग 1, भाग 2
3. **नीला चाँद** – शिवप्रसाद सिंह
4. **कथा सतीसर** – चन्द्रकान्ता

अंक विभाजन

1. प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से एक–एक व्याख्या–कुल चार व्याख्याएँ (10×4=40 अंक)
2. चार समीक्षात्मक प्रश्न। आन्तरिक विकल्प देय (15×4=60 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी उपन्यास : डॉ. सुषमा धवन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा : रामदरश मिश्र
3. हिन्दी उपन्यास कोष : गोपालराय
4. उपन्यास का जन्म : परमानन्द श्रीवास्तव
5. हिन्दी उपन्यास : प्रयोग के चरण : राजमल बोरा
6. साठोत्तरी हिन्दी उपन्यासों में युवा का स्वरूप : डॉ. विमला सिंह, कला प्रकाशन, वाराणसी
7. आज का हिन्दी उपन्यास : डॉ. इन्द्रनाथ मदान
8. हिन्दी उपन्यास का स्वरूप : डॉ. शशिभूषण सिंहल
9. अधूरे साक्षात्कार : नेमीचन्द जैन
10. प्रतिनिधि उपन्यास, भाग एक, भाग दो : डॉ. यश गुलाटी, हरियाणा साहित्य एकेडेमी, चण्डीगढ़।

OIC, Academic
M.S. Brij University
Bharatpur

अथवा
(2) हिन्दी कहानी

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

पाठ्य पुस्तकें :

एक दुनिया समानान्तर – राजेन्द्र यादव (सभी कहानियाँ)

अंक विभाजन

1. कुल चार व्याख्याएँ। (आतंरिक विकल्प देय) (10×4=40 अंक)
2. कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न (15×4=60 अंक)

पाठ्यक्रम की कहानियों के अतिरिक्त कहानी : उद्‌भव और विकास तथा विविध कहानी आंदोलनों पर भी प्रश्न पूछे जायेंगे। आन्तरिक विकल्प देय।

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी कहानी की शिल्प–विधि का विकास : डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल
2. हिन्दी कहानी : स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव
3. नयी कहानी की भूमिका : कमलेश्वर
4. कहानी : नयी कहानी : डॉ. नामवर सिंह
5. आधुनिक कहानी का परिपार्श्व : डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
6. हिन्दी कहानी का उद्‌भव और विकास : डॉ. सुरेश सिन्हा
7. नयी कहानी : पुनर्विचार : मथुरेश, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
8. हिन्दी कहानी : आठवाँ दशक : मधुर उप्रेती
9. हिन्दी के प्रतिनिधि कहानीकार : डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना।

उर्मिला शर्मा,
सह आचार्य (हिन्दी)

OIC, Academic
M.S. Brij University
Bharatpur

SESSION-2022-23

अथवा
(3) दलित साहित्य

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. **जूठन** – ओम प्रकाश वाल्मीकि
2. **दलित कहानी संचयन** : सं. रमणिका गुप्ता (हिन्दी कहानियाँ मात्र)
3. वर्ग व्यवस्था और शूद्र, सामंतवादी समाज में जाति व्यवस्था, शूद्र वर्ग में जातियाँ और स्तर भेद, स्वतंत्रता संग्राम और दलित प्रश्न, अंबेडकर के सार्थक प्रयास और दलित वर्ग में जागरण, आधुनिकता के प्रश्न और दलित। भारतीय संविधान में दलितों के अधिकार, दलित मध्यवर्ग का उभार, दलित स्त्रियाँ, दलित नवजागरण।
4. भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य, दलित और भक्ति–आन्दोलन, दलित साहित्य का वैकल्पिक सौन्दर्यशास्त्र, दलित साहित्य में सहानुभूति बनाम स्वानुभूति, प्रेमचन्द और निराला का दलित समाज संबंधी साहित्य।

अंक विभाजन

1. प्रथम दो खण्ड से दो–दो व्याख्याएँ पूछी जायेंगी। (आतंरिक विकल्प देय) (10×4=40 अंक)
2. सभी चारों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। (आंतरिक विकल्प देय) (15×4=60 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र – ओम प्रकाश वाल्मीकि
2. युद्धरत आम आदमी – सं. रमणिका गुप्ता (पत्रिका) दलित अंक
3. दलित साहित्य – अंक 2002, अंक 2003 सं. जयप्रकाश कर्दम
4. हरिजन से दलित – सं. राजकिशोर, वाणी प्रकाशन
5. आधुनिकता का आइने में दलित – सं. अभय कुमार दुबे, वाणी प्रकाशन
6. वसुधा (पत्रिका) 58वाँ अंक, मध्य प्रदेश प्रगतिशील लेखक संघ
7. दलित और अश्वेत साहित्य – कुछ विचार, सं. चमन लाल, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला

उर्मिला शर्मा
एसोसिएट प्रोफेसर हिन्दी

SESSION-2022-23

OIC, Academic
M. S. Brij University
Bharatpur

अथवा

(4) स्त्री लेखन और विमर्श

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

पाठ्य पुस्तकें :

1. चितकोबरा – मृदुला गर्ग
2. संग सार – नासिरा शर्मा (कहानी संग्रह)
3. कस्तूरी कुंडल बसे – मैत्रेयी पुष्पा (आत्मकथा)
4. स्त्री उपनिवेश – प्रभा खेतान (निबंध)

अंक विभाजन

1. प्रत्येक पुस्तक से एक व्याख्या (आतंरिक विकल्प देय।) (10×4=40 अंक)
2. चार समीक्षात्मक प्रश्न–प्रत्येक से एक (आन्तरिक विकल्प देय।) (15×4=60 अंक)

सहायक ग्रंथ :

1. स्त्री पुरुष : कुछ पुनर्विचार, राजशेखर, वाणी प्रकाशन
2. आदमी की निगाह में औरत, राजेन्द्र यादव
3. औरत अस्मिता और संवेदन, अरविन्द जैन
4. परिधि पर स्त्री, मृणाल पांडे
5. नारीवादी विमर्श, राकेश कुमार, आधार प्रकाशन
6. दुर्ग द्वार पर दस्तक, कात्यायनी
7. भारतीय समाज में नारी, नीरा देसाई।

उर्मिला शर्मा
सह आचार्य (हिंदी)

SESSION-2022-23

OIC, Academic
M. S. Brij University
Bharatpur